

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने दुर्ग में की महिला उत्पीड़न से जुड़े प्रकरणों की जनसुनवाई

25 प्रकरणों की हुई सुनवाई, 7 प्रकरण नस्तीबद्ध, पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने आवश्यक कार्रवाई के निर्देश

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने आज दुर्ग में महिला उत्पीड़न एवं महिलाओं से संबंधित विभिन्न प्रकरणों की जनसुनवाई की। प्रेषणा सभा कक्ष, बालगृह परिसर, पांच बिल्डिंग स्थित महिला एवं बाल विकास कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से सुने हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। यह प्रदेश स्तर पर आयोग की आठवीं तथा दुर्ग जिले में दूसरी जनसुनवाई थी।

जनसुनवाई में कुल 33 प्रकरण सुचीबद्ध थे, जिनमें से 25 प्रकरणों की सुनवाई की गई और 7 प्रकरण नस्तीबद्ध किए गए। प्रकरणों के दौरान आयोग ने प्रकरणों की प्रकृति के अनुसार संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खास खबर

क्राइम मीटिंग में एसपी ने दिए निर्देश : विवेचना में देरी नहीं, 75% से अधिक निराकरण का लक्ष्य

नई दृष्टिविंदु / मिलाई



पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर-6 में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक ने राउपवित्त अधिकारियों और थाना प्रचारियों को क्राइम समीक्षा बैठक की। बैठक में विवेचना, चालान पत्रों, ई-साक्ष्य, मालखाना और बंदी सुरक्षा की समीक्षा की गई। एसपी ने संबंधित अपराधों और चालान में अनवश्यक देरी रोकने और न्यय समय में चालान पेश करने के निर्देश दिए। CCTNS में IAF फॉर्म सहित संपूर्ण प्रविष्टियां समय पर पूरी करने को कहा। जिन थानों की निराकरण दर जिले के औसत से कम है, उन्हें माह अंत तक 75 प्रतिशत से अधिक निराकरण का लक्ष्य दिया गया।

बंदी सुरक्षा और मालखाना पर सख्ती

हवालात में हार्फिक, एसिड, पिनाइल, केबल-तार, नुकीली वस्तुएं न रखने, जाली-रोशनदार को नियंत्रण जाल और साफ-सफाई के निर्देश दिए गए। जेपी प्रक, मालखाना रजिस्टर और CCTNS रिकार्ड में समानता और नियमित मिलान करने को कहा गया।

वैज्ञानिक साक्ष्य पर जोर

गंभीर अपराध, मारपीट और सड़क हादसों में घटनास्थल का तत्काल निरीक्षण कर फ्लैशफोट और वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने की वीडियोग्राफी कर के निर्देश दिए गए। आदान अनपराधी, चाकूबाज और नशे के कारोबारियों पर NSA, जिलाबंदर और बार्ड ऑफ़र की कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

गणेश विसर्जन को लेकर तैयारी

विसर्जन जुलूसों में पुलिस बल, पेट्रोलिंग, प्रमुख विसर्जन स्थलों पर गोताखोर और SDRF की तैनाती और संवेदनशीलता मार्ग पर विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए। शाम के समय जीप एनालाइजर से जांच और मवेशियों से होने वाले हादसे रोकने के लिए विभागों के सहयोग से कार्रवाई करने को कहा गया।

सखी वन स्टॉप सेंटर की व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंची महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. ममता साहू

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने आज सखी वन स्टॉप सेंटर, दुर्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने सेंटर में महिलाओं एवं बालिकाओं को उपलब्ध कराई जा रही आश्रय, परामर्श, चिकित्सा, पुलिस सहायता एवं अधिकार सेवाओं की जानकारी ली और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डॉ. साहू ने संबंधित अधिकारियों को सेंटर की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने तथा पीड़ित महिलाओं एवं बालिकाओं की त्वरित, संवेदनशील एवं समुचित सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सखी वन स्टॉप सेंटर संवेदनशील महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण सहायता केन्द्र है, जहां उन्हें एक ही स्थान पर आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।



ग्राम महमरा में राज्य स्तरीय कबड्डी स्पर्धा आयोजित

विधायक चंद्राकर ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह, कहा- खेत युवाओं में अनुशासन और टीम भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

ग्राम महमरा में यंग स्टार कबड्डी ग्रुप के तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। प्रतियोगिता में अंचल की ख्याति प्राप्त कबड्डी टीमों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत में विधायक ललित चंद्राकर ने स्वीयंग राजेश साहू को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। इसके पश्चात हनुमान जी की पुजा-अर्चना कर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया।

इस अवसर पर विधायक चंद्राकर ने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि खेल



केवल प्रतियोगिता का सीमा नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, समर्पण, टीम भावना और

युवा शक्ति को समरथात्मक दिशा देने का सशक्त माध्यम है। कबड्डी हमारा परंपरिक

67वीं बार रक्तदान-आचार्य डॉ. अजय आर्य ने दिया मानवता का दिया संदेश

रक्त की कुछ बूंदें किसी अनजान के जीवन की उम्मीद बन सकती हैं

नई दृष्टिविंदु / दुर्ग

सुप्रसिद्ध लेखक, वैदिक विचारक, शिक्षक एवं समाजसेवी आचार्य डॉ. अजय आर्य ने 67वीं बार रक्तदान कर समाज को परोपकार और मानवता का प्रेरक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद को जीवन देने का अवसर है। दुर्घटना, गंभीर बीमारी, प्रसव, शल्य चिकित्सा तथा आपात परिस्थितियों में समय पर रक्त उपलब्ध होना जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रक्त का निर्माण किसी कारकद्वारा नहीं होता, इसकी उपलब्धता स्वस्थ और पात्र रक्तदाताओं के सहयोग से ही संभव है।

आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा, अनजाने लोगों की मदद करने का आनंद ही अलग है। रक्तदान करते समय यह पता नहीं होता कि हमारा रक्त किसके काम आएगा, लेकिन यह संतोष जरूर होता है कि हमारी कुछ बूंदें किसी परिवार की पर्यटन वापस ला सकती हैं। रक्तदान के प्रति उनकी प्रतिक्रिया किसी विशेष अवसर तक सीमित नहीं है। कई बार विद्यालय की छुट्टी के तुरंत बाद वे रायपुर के लिए रवाना हुए और जरूरतमंद मरीज के लिए रक्तदान किया। रक्तदान के बाद जरूरतमंद रक्त से बातचीत में जब उनकी आंखों परेशानी का पता चलता तो कई बार वे स्वयं उन्हें स्ट्रेप्टोटी ले गए, चाय-कोला और भोजन मारना तथा प्लैट का भुगतान किया। उनका कहनाय है कि रक्तदान के साथ मानवीय संवेदना भी जरूरी है।

एक प्रसंग में गृहप्रवेश के अवसर पर परिवार के साथ भोजन चल रहा था। भोजन



समाज ही हुआ था कि आर्मीबॉट ब्लड बैंक से फोन आया कि किसी जरूरतमंद को तत्काल रक्त की आवश्यकता है। उन्होंने तत्काल अपने मित्रों से कहा, आम मेरे परिवार को घर छोड़ दीजिए, किसी को रक्त की जरूरत है। और स्वयं रक्तदान के लिए निकल गए। उनके इन कार्यों को देखकर लोग अक्सर पूछते हैं - आपकी ऐसा करके क्या मिलता है? उनका सहज उत्तर है - किसी अनजान व्यक्ति की जिंदगी बचाने में सहयोग करने से बड़ा संतोष और क्या हो सकता है?

आचार्य डॉ. अजय आर्य ने स्वस्थ एवं पात्र नागरिकों, विशेषकर युवाओं से रक्तदान के लिए आगे आने की अपील करते हुए कहा कि हमारा थोड़ा-सा रक्त किसी दूसरे व्यक्ति के लिए जीवन की सबसे बड़ी जरूरत हो सकता है। इसलिए स्वयं रक्तदान करें और कम से कम एक अन्य व्यक्ति को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करें। उन्होंने

कहा कि रक्तदान में किसी का परिचय नहीं पूछा जाता - रक्त की जरूरत के सामने केवल मानवता महत्वपूर्ण होती है। एक रक्तदान करीबी अनजान परिवार के लिए जीवन का वरदान बन सकता है। विभागाध्यक्ष डॉ. चुरेंद्र ने आचार्य डॉ. अजय आर्य के निम्नित रक्तदान और सेवा-भाषी की सहानुभूति करते हुए कहा कि उनका यह कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ एवं पात्र लोगों को डॉ. आर्य से प्रेरणा लेकर रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए, क्योंकि समय पर किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद के लिए जीवन बचाने वाली सहायता बन सकता है।

रक्तदान के दौरान प्रचारिका अधिकारी सती गुप्ता, चतुर्थी श्रेणी कर्मचारी माला देशमुख, प्रयोगशाला तकनीशियन मधुसूदन देवांगन, रमणा रावत, हिमांशु चंद्राकर तथा पर्वचक्षर रूपेश सरपे सहित अस्पताल के कर्मचारियों ने सहयोग प्रदान किया।

धर्म की शान्ति में ही परम शांति, मन की चंचलता होती है दूर : अक्षय मुनि

नई दृष्टिविंदु / बालोद

समता भवन बालोद में चातुर्मास श्रृंखला के तहत आयोजित धर्मसभा में शासन दीपक श्री अक्षय मुनि जी मसा ने धर्म, अर्थ्यास, संस्कार और समता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान ने धर्म की शरण में जाने का संदेश दिया है। धर्म की शरण में ही परम शांति प्राप्त हो सकती है। मनुष्य धर्म की शरण में जाता है तो मन की चंचलता और उलझन समाप्त होने लगती है, जबकि धर्म से दूर रहने पर मन तरह-तरह के छुटे आश्वासन देकर व्यक्ति को प्रेरित करता रहता है।

मुनिश्री ने कहा कि चित्र, शब्द और प्रकृति की अपनी-अपनी भाषा होती है। भाषा संसार को चलाने का माध्यम है, लेकिन आज मनुष्य कल्पनाओं और विचारों में खोया हुआ है। दुनिया में धर्म मौजूद है, लेकिन धर्म आत्मकल्याण का साधन कम और स्वयं को भुलाने का माध्यम अधिक बनता जा रहा है। अर्थ्यास के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए सम्मार्ग को अपनाना आवश्यक है।

उन्होंने जीवन में जोखिम और पुरुषार्थ का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रतिभा, साक्षर और पुण्यवानी से व्यक्ति के कार्य करने का ढंग अलग हो सकता है, लेकिन जोखिम उठाना पड़ता है। जिसका जब खेत में काम करता है तो वह भी किसान उठाना है, लेकिन उनका विश्वास परित्यग और प्रकृति पर होता है। जुआरी की तरह वह अंधेरे में तीर नहीं चलाता। व्यापार में भी जोखिम उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि मनु उन्नी दुखदायी नहीं है, जितना दुखद यह है कि व्यक्ति उदासीनता के साथ जीवन जीए और जीवन का आनंद न ले पाए।

मुनिश्री ने कहा कि मां ही अपने बच्चों को संस्कारों की घुट्टी पिलाती है। नारी में सहनशीलता और धैर्य का गुण होता है। गाय और धरती की तरह नारी भी बहुत कृष्ण स्वीकार करने की क्षमता रखती है। उन्होंने शहरों में न्यायी की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि आज कई स्थानों पर गायें प्लास्टिक और पेट्टे खाने को मजबूर हैं। उन्हें पर्वीय चारा नहीं मिल पा रहा है और अब लोग गाय



पालना भी नहीं चाहते। उन्होंने कहा कि जंगल मनुष्य को बहुत कुछ देता है। प्रकृति के बीच शांति का अनुभव होता है। कुदरत ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, लेकिन आधुनिक जीवन में व्यक्ति की स्थिति विचित्र होती जा रही है। उन्होंने बताया कि पिछले दिनों जापान से आई युवतियों ने मंदिर पहुंचकर दीक्षा ग्रहण की।

कि बड़े घरानों के कई बच्चे आज भी व्यक्तिगत और संस्कारिक जीवन की रीढ़ हैं, वहीं गलत संगति के कारण कुछ बच्चे गिराई भी जाते हैं। साधु के मन में कभी किसी को बुरा होने की भावना नहीं होती। व्यक्ति के भीतर करुणा और प्रेम निरंतर प्रवाहित होते रहना चाहिए। देवताओं की इष्ट चर्चा और रहस्य हैं, इसलिए मनुष्य को अपने कर्मों के प्रति सजग रहना चाहिए।

मुनिश्री ने जैन धर्म में तपस्या की महिमा बताते हुए कहा कि 29 जुलाई 2026 से चातुर्मास प्रारंभ होने के बाद निरंतर तपस्या का क्रम जारी है। अब तक आठ मासखमण पूर्ण हो चुके हैं, जबकि दो मासखमण की तपस्या शेष है। तपस्या की इसी कड़ी में धर्मसभा में सोमन सीर व श्रीश्रीमत् (23) एवं रिट अनिल बाफना (22) ने उपवास तपस्या का संकल्प ग्रहण किया। धर्मसभा में श्रद्धालुओं ने मुनिश्री के प्रवचन का लाभ लिया। समाजसेवी संस्था पंचांग ग्रुप के सदस्यों ने तपस्वी बहनें सोमन व रिट की तपस्या को अनुमोदना कर अभिनंदन किया।

भिलाई नगर निगम में 50 ग्रेजुएट अप्रेन्टिस के लिए आवेदन आमंत्रित

नई दृष्टिविंदु / भिलाई

प्रधान की जागीर। इच्छुक एवं पात्र अप्रेन्टिस निर्धारित प्रमाण आवेदन 05 अक्टूबर तक नगर पालिक निगम भिलाई, अकाश गंगा, जी. टी. रोड, भिलाई के कार्यालय में डाक के माध्यम से आवेदन सीधे जमा कर सके हैं। आवेदन कार्यालयीन अवधि में प्रातः 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे।

निगम द्वारा इच्छुक अप्रेन्टिसों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की गई है। अप्रेन्टिस प्रशिक्षण युवाओं को संबंधित क्षेत्र में व्यावहारिक एवं अनुभव प्राप्त करने के साथ-साथ अपने कौशल को विकसित करने का अवसर प्रदान करेगा। आवेदन प्रक्रिया, निर्धारित प्रश्न, प्राप्ता एवं अन्य आवश्यक जानकारी के लिए नगर पालिक निगम भिलाई की वेबसाइट www.bhilainagarinagam.com पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा अप्रेन्टिसिप एक्ट 1961 के अंतर्गत वर्ष 2026-27 के लिए ग्रेजुएट अप्रेन्टिस प्रशिक्षण हेतु योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। निगम द्वारा कुल 50 प्रशिक्षुओं को 06 माह अथवा एक वर्षीय प्रशिक्षण प्रशिक्षण के लिए नियोजित किया जाएगा। ग्रेजुएट अप्रेन्टिस के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थी का संबंधित संकाय में किसी मान्यता प्राप्त संस्थान अथवा विश्वविद्यालय से स्नातक अथवा स्नातक समकक्ष योग्यता उत्तीर्ण होना आवश्यक है। वर्तमान प्रशिक्षुओं की प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रतिमाह 12,300 मान्यता प्रदान किया जाएगा। इस मासदेय में 50 प्रतिशत राशि नगर पालिक निगम भिलाई तथा शेष 50 प्रतिशत राशि बॉर्ड ऑफ अप्रेन्टिसिप ट्रनिंग, भारत सरकार द्वारा

प्रदान की जाएगी। इच्छुक एवं पात्र अप्रेन्टिस निर्धारित प्रमाण आवेदन 05 अक्टूबर तक नगर पालिक निगम भिलाई, अकाश गंगा, जी. टी. रोड, भिलाई के कार्यालय में डाक के माध्यम से आवेदन सीधे जमा कर सके हैं। आवेदन कार्यालयीन अवधि में प्रातः 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। निगम द्वारा इच्छुक अभ्यर्थियों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की गई है। अप्रेन्टिस प्रशिक्षण युवाओं को संबंधित क्षेत्र में व्यावहारिक एवं अनुभव प्राप्त करने के साथ-साथ अपने कौशल को विकसित करने का अवसर प्रदान करेगा। आवेदन प्रक्रिया, निर्धारित प्रश्न, प्राप्ता एवं अन्य आवश्यक जानकारी के लिए नगर पालिक निगम भिलाई की वेबसाइट www.bhilainagarinagam.com पर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

!! न्यायालय अतिरिक्त हसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग !!

नई दृष्टिविंदु

एक दशक से अधिक समयों से सुचित किया जाता है कि आवेदन के साथ बंधू पत्र वीरवार साहू निवासी विर्वाह दश गंगा कोहरा प.ह.नं. 45 थिना प्रमि.नं. 4884 संपत्ति 0.08 है. भूमि आवेदन के पत्र के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामी की मृत्यु हो जाने से भूमिस्वामी का नाम विरवार साहू के नाम पर दर्ज है भूमिस्वामी का नाम दर्ज किए जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय पर प्रस्तुत किया जा रहा है।

आतः एक संबंध में पर दफा रिपोर्ट की व्यक्ति को आपसी या उजर दावे हो तो सुनवाई स्थिति निर्णय 30.09.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने भाग अधिकारकर्ता के साथ उपस्थिति होकर अपना आपात प्रवृत्त कर सकते हैं। निर्वाचित स्थिति के अनुसार आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

अतिरिक्त हसीलदार भिलाई नगर

उप मुख्यमंत्री साव ने 175 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने सरसावाली के नई मंडी प्राणग में आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में सरसावाली नगर पालिका क्षेत्र के लिए 23 करोड़ 28 लाख 61 हजार रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 154 करोड़ 88 लाख रुपये की लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों को पेयजल, सामुदायिक भवन, अधोसंरचना और अमृत मिशन सहित विभिन्न विकास कार्यों की सीमांत मिली। सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, विधायक श्रीमती चातुरी नंद, छात्रावास रायपुर अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष रामपाल चौहान और छात्रासगढ़ शाकम्भरी बोर्ड के अध्यक्ष राजेंद्र नायक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

खास खबर

छग में किसी सहकारी शक्कर कारखाने को पहली बार इस श्रेणी में मिला नेशनल अवॉर्ड

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



कवर्धा के भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाने को लगातार दो पेरॉड सत्रों—2024–25 और 2025–26—के लिए हाइएस्ट शुगर रिकवरी-अदर एरिया श्रेणी में राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। नेशनल को-ऑपरेटिव शुगर फेडरेशन ने नई दिल्ली के डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित शुगर फेक्ट्री एफिशिएंसी अवॉर्ड समारोह में कारखाने को सम्मानित किया। समारोह में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने यह पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुजरग भी उपस्थित रहे। छात्रासगढ़ के सहकारिता मंत्री केदार कुशरप समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। छात्रासगढ़ के लिए यह विशेष गौरव का अवसर है कि राज्य में पहली बार किसी सहकारी शक्कर कारखाने को इस श्रेणी में पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

सहकारिता मंत्री कश्यप ने इस उपलब्धि पर कारखाने से जुड़े गन्ना उत्पादक किसानों और कारखाना प्रबंधन को बधाई देते हुए कहा कि किसानों द्वारा गुणवत्तापूर्ण गन्ने की आपूर्ति, कारखाने की तकनीकी दक्षता और बेहतर प्रबंधन से यह उपलब्धि हासिल हुई है। उन्होंने कहा, यह सम्मान किसानों की मेहनत और सहकारिता व्यवस्था की सामूहिक शक्ति का सम्मान है। सहकारिता मंत्री कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प के अनुरूप सहकारी व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। राज्य सरकार सहकारी संस्थाओं को किसानों की आर्थिक गति और ग्रामीण विकास का मजबूत माध्यम बनाने के लिए काम कर रही है। हमारा प्रयास है कि संस्थाएं आधुनिक, पारदर्शी, जवाबदेह और किसान हितैषी बनें तथा उनके काम का सीधा लाभ किसानों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि सहकारिता को गांवों की अर्थव्यवस्था से अधिक प्रभावी ढंग से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है।

सहकारिता मंत्री कश्यप ने कहा कि सहकारिता विभाग में डिजिटलीकरण, प्राथमिक कृषि साखा समितियों (पेक्स) के कम्प्यूटीकरण और आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार पर काम किया जा रहा है। इससे सहकारी संस्थाओं की कार्यक्षमता को अधिक पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाने की सफलता प्रदेश की अन्य सहकारी संस्थाओं की भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। समारोह में भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना, कवर्धा को दो पेरॉड सत्रों वर्ष 2024–25 एवं 2025–26 के लिए हाईएस्ट शुगर रिकवरी इन अदर एरिया का नेशनल अवॉर्ड प्राप्त हुआ। कारखाने की ओर से यह पुरस्कार आयुक्त सहकारिता रमेश शर्मा, विभागीय अधिकारियों और कारखाना प्रबंधन के द्वारा संयुक्त रूप से ग्रहण किया गया।

दिलों को जोड़ने वाले संचारक थे दीनदयाल उपाध्याय



प्रो. संजय द्विवेदी

पं. दीनदयाल उपाध्याय स्वयं बड़े पत्रकार और प्राचीन विचारक थे। अपनी विचारधारा को समाज तक पहुंचाने के लिए वे का संपादन-प्रकाशन, संस्मरण, पुस्तक लेखन और भाषण इन सभी माध्यमों का उन्होंने प्राचीन उपयोग किया। वे केवल लिखने वाले विचारक नहीं थे, बल्कि वेक्टर, मिलन और अनवर आरण्य से भी संवाद स्थापित करने वाले संचारक थे। इसलिए उनकी स्मृति में यह विचार का स्वाभाविक है कि एकात्म मानवदर्शन समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों और विशेषकर मीडिया को किस प्रकार प्रभावित कर सकता है।

यह सहज विचार का कठिन है कि सामान्य कद-काठी और अत्यंत साधारण जीवन जीने वाले एक व्यक्ति ने भारतीय राजनीति और समाज को ऐसा वैकल्पिक विचार दिया, जिसने हजारों युवाओं को प्रेरित किया और जिसकी विचारधारा को चलकर भारतीय राजनीति को गहरा प्रभावित करने वाली शक्ति बन गई। किसी देश की राजनीतिक निष्पत्ति अचानक नहीं बदलती। उनके पीछे वर्षों का विचार, संघर्ष और अगमिष्ठ अनुभव उनके प्रभाव की सीमा तय नहीं कर सकें। उनका सामाजिक और वैचारिक कद लेकर नरेंद्र मोदी तक पहुंची यह विचारधारा इसी

लगातार बढ़ता गया। वे अपने व्यवहार से लोगों के

उप मुख्यमंत्री साव ने कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के जल जीवन मिशन अंतर्गत रेड्रोफिटिंग एवं एकल ग्राम योजना के कुल 24 ग्रामों में पेयजल सुविधा के लिए 1818. 61 लाख रुपये के कार्यों तथा 510 लाख रुपये के विभिन्न बाड़ों में सामुदायिक भवनों एवं अन्य निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने एसटीपी निर्माण से संबंधित 10.21 करोड़ रुपये तथा जल प्रदाय अमृत मिशन 2.0 अंतर्गत 139.55 करोड़ रुपये के विकास कार्यों एवं 512 लाख रुपये के विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमिपूजन भी किया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोकार्पण और भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कोई भी शुभ कार्य होता है तो इंद्रदेव का



आशीर्वाद मिलता है। आज वर्षों के रूप में भी हमें आशीर्वाद मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार विकास और जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में अभूतपूर्व विकास कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जिस कार्य का भूमिपूजन करती है, उसका लोकार्पण भी हमारी ही

सरकार करती है। विकास कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा कर जनता को उसका लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि छात्रीसगढ़ के माथे पर नक्सलवाद का कलंक था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा ढाई वर्ष में लगभग 12 हजार 666 करोड़ रुपये के विकास कार्य किए गए हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि छात्रीसगढ़ के साथ-साथ अब सरसावाली का विकास भी तीव्र गति से हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन की सरकार में लगातार विकास के काम हो रहे हैं। देश की दशा और दिशा बदलने का काम हमारी डबल इंजन की सरकार कर रही है। उन्होंने

कहा कि सरसावाली के विकास के लिए पैसों की कमी नहीं होगी। उप मुख्यमंत्री ने सांसद की मांग पर क्षेत्र के विकास के लिए 5 करोड़ रुपये देने की घोषणा की।

सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि उप मुख्यमंत्री अरुण साव द्वारा विमान भेदभाव के सभी क्षेत्रों में विकास कार्य कराए जा रहे हैं, जिसका लाभ आम जनता को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की लंबे समय में रही रेत लाने काहन की मांग की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा है और अब सर्वे का कार्य शुरू हो चुका है। विधायक श्रीमती चातुरी नंद ने अमृत मिशन 2.0 की स्वीकृति के लिए उप मुख्यमंत्री अरुण साव का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह केवल पानी नहीं है, बल्कि हजारों परिवारों के जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण सीमांत है। महानदी का पानी जब घर-घर पहुंचेगा, तो इसका लाभ बड़ी संख्या में लोगों को मिलेगा।

विकसित छात्रीसगढ़ के निर्माण में अब कोई बाधा नहीं, विकास की गति होगी और तेज : सीएम साय

135 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन, लगभग 110 करोड़ रुपये के नए विकास कार्यों की घोषणा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप विकसित छात्रीसगढ़ के निर्माण के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। शहरों में आधुनिक अधोसंरचना के निर्माण के साथ नागरिक सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, ताकि विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे। हमारे प्रदेश की प्राकृतिक संपदा, मानव संसाधन और अपार संभावनाओं का उपयोग कर हम सब मिलकर एक समृद्ध, सशक्त और विकसित छात्रीसगढ़ का निर्माण करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने रायपुर जिले के नगर निगम बीरगांव में आयोजित विकास कार्य के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर बीरगांव नगर निगम क्षेत्र को 135 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों की सीमांत दी। उन्होंने इन कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करने के साथ ही क्षेत्र की आवश्यकताओं को देखते हुए लगभग 110 करोड़ रुपये के नवीन विकास कार्यों की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बीरगांव तेजी से विकसित हो रहा शहरी क्षेत्र है। औद्योगिक गतिविधियों और बढ़ती आबादी के अनुरूप पानी सड़क, पेयजल, स्वच्छता, सौकेज, खेल सुविधाओं और अन्य नागरिक अधोसंरचनाओं को मजबूत करने की आवश्यकता है। राज्य सरकार इन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध ढंग से कार्य कर रही है। पिछले दशकों में बीरगांव नगर निगम को 160 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सीमांत दी जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज लोकार्पण और भूमिपूजन किए गए 94 करोड़ रुपये में नगर निगम से संबंधित 94 करोड़ रुपये से अधिक तथा लोक निर्माण विभाग के 38 करोड़ रुपये से अधिक के कार्य शामिल हैं। इसके साथ ही नगरोत्थान योजना के अंतर्गत लगभग 16 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया है। इन कार्यों के पूरा होने से बीरगांव और आसपास के क्षेत्रों में सड़क, पेजल, स्वच्छता, खेल अधोसंरचना सहित अनेक सुविधाओं की आपस के नागरिकों को जमीन की जरूरत से संबंधित सेवाएं अधिक सुविधाजनक ढंग से उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने



रायपुर, दुर्ग-भिलाई और आसपास के क्षेत्रों को संमिलित करते हुए स्टेट कैपिटल रीजन विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसमें बीरगांव भी शामिल है। स्टेट कैपिटल रीजन के माध्यम से पूरे क्षेत्र के सुनिश्चित, समन्वित और दीर्घकालीन विकास का रोडमैप तैयार किया जाएगा। इसका लाभ आने वाले वर्षों में बीरगांव को भी मिलेगा और यहां आधुनिक शहरी अधोसंरचना एवं नागरिक सुविधाओं के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि विकास का अर्थ केवल सड़क और भवन बनाना नहीं, बल्कि नागरिकों के दैनिक जीवन को आसान बनाना भी है। इसी सोच के साथ सरकार सुशासन और ईज ऑफ़ लिविंग की दिशा में लगातार सुधार कर रही है। तकनीक के माध्यम से सरकारी सेवाओं को सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि बीरगांव में मॉडल रजिस्ट्री कार्यालय का निर्माण भी किया जाएगा। प्रदेश में 10 मॉडल रजिस्ट्री कार्यालय विकसित किए जा रहे हैं। ऑनलाइन रजिस्ट्री और स्वतः नामांतरण जैसी व्यवस्थाओं से भूमि संबंधी सेवाओं को सरल बनाया गया है। मॉडल रजिस्ट्री कार्यालय के निर्माण से बीरगांव और आसपास के नागरिकों को जमीन की जरूरत से संबंधित सेवाएं अधिक सुविधाजनक ढंग से उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने

बीरगांव के लिए अनेक महत्वपूर्ण विकास कार्यों की घोषणा की। उन्होंने नगर निगम क्षेत्र में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के निर्माण के लिए 82 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। इससे क्षेत्र में सीवरेज प्रबंधन की व्यवस्था को मजबूत करने और स्वच्छता के स्तर को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने ओवरहेड टैंक एवं पाइपलाइन विस्तार के लिए 10 करोड़ रुपये, अधोसंरचना मद्द से सड़क एवं नाली निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपये तथा सरोरा में खेल मैदान के विकास के लिए 5 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने बीरगांव में विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए आधुनिक अध्ययन सुविधाओं से युक्त नालंद पब्लिक के निर्माण के लिए भी 5 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने व्याप्त तनाव तिराहा से बीरगांव नाला तक स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए एक करोड़ रुपये तथा बुधवारी बाजार बौरांग में नगर निगम कार्यालय तक स्ट्रीट लाइट के लिए 50 लाख रुपये की घोषणा की। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रावांवाला में विद्युतीकरण एवं मरम्मत के लिए 50 लाख रुपये, सर्व मांगलिक विचार के लिए एक करोड़ रुपये और शासकीय महाविद्यालय में ई-लाइब्रेरी निर्माण के लिए 89 लाख रुपये प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने बीरगांव में छात्रीसगढ़ विद्युत मंडल

कोई बाधा नहीं-मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लंबे समय तक नक्सलवाद छात्रीसगढ़ के विकास में एक बड़ी बाधा रहा है। प्रधानमंत्री नेतृत्व, सुरक्षा बलों के अद्वय साहस तथा स्थानीय नागरिकों के सहयोग से नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता मिली है। इससे विशेष रूप से उन क्षेत्रों में विकास के नए द्वार खुलें, जो लंबे समय तक बुनियादी सुविधाओं और अवसरों से वंचित रहे। उन्होंने कहा कि छात्रीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से

सात क्षेत्रों में सर्वे के बाद पार परिवारों को मिलेंगे आवासीय पट्टे

मुख्यमंत्री श्री साय ने बीरगांव नगर निगम क्षेत्र के रावांवाला, बंजारी नगर, शांतिबाग, मदनपारा, शीतलाबाग, उदुकरा और मजुंदर नगर सरोरा में सर्वेक्षण करवाकर पार पोलों को छत्रामासगढ़ का आवासीय पट्टे वितरित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गरीब और जरूरतमंद परिवारों को आवासीय सुरक्षा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

गरीब, महिला, श्रमिक और जरूरतमंद परिवारों का कल्याण हमारी प्राथमिकता

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार गरीब, महिला, श्रमिक, किसान, युवा और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1600 प्रधानमंत्री आवास बनाए जा रहे हैं। सरकार ने 18 लाख गरीब परिवारों को एकका आवास उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है।

भारपुर राज्य है। यहां प्रचुर खनिज और वन संपदा है, धाती उर्वर है और यहां के लोगों में अपार सामर्थ्य है। इन संसाधनों और क्षमताओं का बेहतर उपयोग कर प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया है। इस राष्ट्रीय संकल्प की सिद्धि में छात्रीसगढ़ की अग्रणी भूमिका निभानी है और इसके लिए हम सबको मिलकर विकसित छात्रीसगढ़ का निर्माण करना है।

आयुर्वेद हमारी समग्र परंपरा का महत्त्वपूर्ण हिस्सा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कांक्रम में राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आयुर्वेद भारत की प्राचीन और समृद्ध ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है। केंद्र सरकार द्वारा आयुष मंत्रालय का गठन कर आयुर्वेद सहित भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को प्रोत्साहित किया गया है। उन्होंने लोगों से स्वास्थ्य जीवनशैली अपनाने, आयुर्वेद के प्रति जागरूक रहने और इसके वैज्ञानिक एवं पारंपरिक ज्ञान का लाभ लेने का आग्रह किया।

एकात्म मानवदर्शन के आधार पर कैसा हो मीडिया ?

यहीं से मीडिया के बारे में एक एकात्म मानवदर्शन प्रगट होता है कि यदि एकात्म मानवदर्शन हमारी रीति का आधार बने तो मीडिया का स्वरूप कैसा होगा ? दीनदयाल जी स्वयं संचारक थे, इसलिए उनके विचारों को मीडिया से अलग करने नहीं देखा जा सकता। संवाद मनुष्य की मूल आवश्यकता है। मनुष्य समाज से, प्रकृति से और अपने आसपास की दुनिया से निरंतर संवाद करता है। सूचना इस संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है। लेकिन हर सूचना मनुष्य के लिए समान रूप से उपयोगी नहीं होती। प्रश्न यह है कि सूचना का संचार व्यक्ति के विकास, समाज के संतुलन और मनुष्यता के विस्तार में कितना सहायक है एकात्म मानवदर्शन विभेद नहीं, समग्रता का दर्शन है। इसलिए इससे प्रेरित मीडिया भी सूचना को केवल सूचना ही बाजार की वस्तु के रूप में नहीं देखेगा। वह यह भी विचार करेगा कि किसी सूचना का समाज पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

मीडिया पर शुभष्टि

आज समाचार का बहुत हिस्सा असाधारण, अशोभित, हिंसक या चीकाने वाली घटनाओं के अंशित होता है। नकारात्मकता अक्सर अधिक ध्यान आकर्षित करती है। ऐसे वातावरण में हनुषष्टिहृदय की अवधारणा महत्वपूर्ण हो जाती है।

शुभष्टि का अर्थ यह नहीं कि मीडिया आलोचना छोड़ दे या समस्याओं को छिपाए। बल्कि इसका अर्थ है कि समस्या के साथ समाधान की भी देखा जाए, घटना के साथ उसके मानवीय संदर्भ को समझा जाए और सूचना को इस तरह प्रस्तुत किया जाए कि समाज में अनास्था भय, घृणा और विभाजन न बढ़े। ऐसा मीडिया बाजार से संवाद करेगा, लेकिन बाजार का बंदी नहीं बनेगा। यह समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को प्राथमिकता देगा। उसका उद्देश्य केवल अधिक दर्शक, पाठक या शक्ति हासिल करना नहीं होगा, बल्कि अधिक सकार संवाद स्थापित करना होगा।

मीडिया और समाज अलग-अलग नहीं

जीवन-मूल्यों की आवश्यकता जितनी मनुष्य के है, उतनी ही मीडिया की भी है। यह संभव नहीं है कि समाज मूल्यों की बात करे और उसका विकास लगातार नकारात्मकता को ही विस्तार देता रहे। पत्रकारिता, सिनेमा, टेलीविजन और डिजिटल माध्यम समाज की प्रभावित करने वाले अत्यंत शक्तिशाली उपकरण हैं। इसलिए इन्हें भी मानवीय मूल्यों से जोड़ना होगा। तब टेलीविजन की बरतें केवल शोर नहीं, निष्कर्ष देने वाला संवाद बन सकती है। फिल्में केवल मनोरंजन नहीं, संवेदना और सामाजिक समरसता का माध्यम बन सकती हैं। खबरें केवल डड पैदा करने के बजाय कठिन परिस्थितियों में जीत का वाहस भी दे सकती हैं। मीडिया जीवन के अधिक व्यापक और विविध पक्षों को सामने ला सकता है।

यह किसी धार्मिक या आध्यात्मिक मीडिया की कल्पना नहीं है। यह उन रीति की बात है जो मनुष्य

को संपूर्णता में देखने का आग्रह करती है। सबको साथ लेकर चलने, संघर्ष के विकास और सबसे अधिक व्यक्ति के हित को प्राथमिकता देने की रीति। दीनदयाल जी की स्मृति और उनका विचार हमारे सामने एक ऐसी दुनिया का उन्मूलन रखते हैं जिसमें व्यक्ति, समाज, प्रकृति और मीडिया परस्पर विरोधी नहीं, परस्पर पूरक होते हैं। यह रीति समाज होती है तो समस्याओं का समाधान दिखाई देता है, संकटों के साथ सामंजस्य और निराशा के साथ आशा भी दिखाई देती है।

आज मीडिया के सामने सबसे बड़ा प्रश्न केवल तकनीक या बाजार का नहीं, मीडिया का है। हमें तय करना होगा कि हमें कैसा मीडिया चाहिए और वह समाज को किस दिशा में ले जाए। दीनदयाल जी के संचारक व्यक्तित्व से प्रेरणा लेते हुए यह हम संवाद को जोड़ने का माध्यम बनाए, सूचना को जिम्मेदारी से प्रस्तुत करें और पत्रकारिता में शुभष्टि का विस्तार करें, तो मीडिया मनुष्यता को मजबूत करने वाली शक्ति बन सकता है।

यही दीनदयाल जी की स्मृति को सच्ची श्रद्धांजलि भी होगी। दिलों को जोड़ने वाले उस संचारक की स्मृति में ऐसा संवाद खड़ा करना, जो समाज को बाँटने नहीं, जोड़ने, निशान न करे, जगाए, और मनुष्य को केवल वस्तु बना उपभोक्ता नहीं, संवेदनशील नागरिक और बेहतर मनुष्य बनने की प्रेरणा दे।

(लेखक भारतीय जन संचार संस्थान-आईआईएमसी के पूर्व महाविद्यालय हैं। संप्रति आचार्यलाल चुनौती और राजनीति प्रकाशित एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल से जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

न्यूजीलैंड की 16 सदस्यीय टीम घोषित, सैंटनरसंभालेंगे कमान

वेलिंगटन, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम घोषित की है। मिशेल सैंटनर टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि एडम मिलन और माइकल बेसवेल की वापसी हुई है। रचिन रवींद्र कंधे की चोट के कारण बाहर हैं। फिन एलन और टिम सोपर्ट की संघर्षी जोड़ी भी फिर साथ दिखेगी।

न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। व्हाइट-बॉल कप्तान मिचेल सैंटनर टीम की अगुआई करेंगे। सीरीज का पहला मुकामला 22 अक्टूबर को क्राइस्ट चर्च के हेगले ओवल में खेला जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज 11 दिनों में चार शहरों में खेती जाएगी। यह भारत के न्यूजीलैंड दौर का हिस्सा है, जिसमें पांच वनडे और दो टेस्ट भी शामिल हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुनाबिह, दूर के लिए अब तक 76 हजार से अधिक टिकट बिक चुके हैं।

इस साल टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ फइनल खेलने वाली न्यूजीलैंड की टीम के 13 खिलाड़ियों को मिलने की टीम में वापसी हुई है। 34 वर्षीय मिलने ने अब तक 243 टी20 मुकामले खेले हैं, जिसमें 56 अंतरराष्ट्रीय मैच शामिल हैं। वह एक साल से अधिक समय बाद न्यूजीलैंड की टीम में लौटे हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण में उनके अलावा लोकी फर्ग्युसन, मैट हेनरी, काइल जेमीसन और जैकब डर्नी जैसे अनुभवी गेंदबाज हैं। जाक फाउलरस और नाथन स्मिथ युवा तेज गेंदबाजों के रूप में टीम का हिस्सा हैं।



आगामी सीरीज के लिए चुना गया है। चोट के कारण विजय कप से बाहर रहे माइकल बेसवेल और तेज गेंदबाज एडम मिलने की टीम में वापसी हुई है। 34 वर्षीय मिलने ने अब तक 243 टी20 मुकामले खेले हैं, जिसमें 56 अंतरराष्ट्रीय मैच शामिल हैं। वह एक साल से अधिक समय बाद न्यूजीलैंड की टीम में लौटे हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण में उनके अलावा लोकी फर्ग्युसन, मैट हेनरी, काइल जेमीसन और जैकब डर्नी जैसे अनुभवी गेंदबाज हैं। जाक फाउलरस और नाथन स्मिथ युवा तेज गेंदबाजों के रूप में टीम का हिस्सा हैं।

रचिन रवींद्र कंधे के खिसकने के कारण टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे। पिछले सप्ताह एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान उन्हें चोट लगी थी। उनके क्रीड़ा छह सप्ताह में सिड्नी में पूरा करने की उम्मीद है और वह चार नवंबर से शुरू होने वाली वनडे सीरीज में वापसी का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

रचिन रवींद्र चोट के कारण बाहर

ऑलराउंडर रचिन रवींद्र कंधे के खिसकने के कारण टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे। पिछले सप्ताह एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान उन्हें चोट लगी थी। उनके क्रीड़ा छह सप्ताह में सिड्नी में पूरा करने की उम्मीद है और वह चार नवंबर से शुरू होने वाली वनडे सीरीज में वापसी का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

एलन-सोपर्ट की जोड़ी फिर साथ

टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले फिन एलन और टिम सोपर्ट एक बार फिर न्यूजीलैंड के लिए पारी की शुरुआत करते नजर आएंगे। दोनों पहली बार टी20 विश्व कप के बाद एक साथ शीर्ष क्रम में उठेंगे।

भासत की उम्मीदों को लगा कसर झटका, मेडल से चूर्वी मनु भाकर

आइजी नागोया, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट शूटर मनु भाकर को एशियन गेम्स में निराशा हाथ लगी है। वह महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत इवेंट में पौडिम तक नहीं पहुंच सकी और बुधवार को फाइनल में पांचवें स्थान पर रही। वहीं, साथी करीया की गाउन चू ने 246.3 के स्कोर के साथ एशियाई रिकॉर्ड और गेम्स रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड मेडल जीता। चीन की वियाओ शेन (241.3) और रैनक्सिन जियांग (221.6) ने क्रमशः सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीतकर पौडिम पर अपनी जगह बनाई। मनु क्वालिफिकेशन राउंड में 579 के स्कोर (जिसमें 20 'इनर 10' शामिल थे) के साथ तीसरे स्थान पर रहकर व्यक्तिगत फाइनल में पहुंची थी। आठ महिलाओं के फाइनल में उन्होंने 181.1 का स्कोर किया। टीम मेडल से बहुत कम अंतर से चूकने के बाद, महिलाओं के 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में भारत को कोई मेडल नहीं मिला।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय महिला कबड्डी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी, ईरान को 37-23 से हराया



आइजी नागोया, एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला कबड्डी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारतीय टीम ने कड़े मुकामले में ईरान को 37-23 से हराते हुए टूर्नामेंट की अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। भारत और ईरान के बीच पहले हफ्ते में खासतौर पर कांटे की टक्कर देखने को मिली। ईरान ने मुकामले में शुरुआती बढ़त बनाई। 10-6 के स्कोर पर भारतीय टीम ऑलआउट होने की दहलीज पर थी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी पूजा ने बेहतरीन रेड करते हुए दो प्वाइंट अर्जित किए। पूजा की यह रेड मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुई और इसके बाद भारतीय टीम ने जबरदस्त वापसी की। जल्द ही भारतीय टीम ने स्कोर को 11-11 से बराबर कर दिया। हफ्ता टाइम का अंत होने तक भारत ने 19-15 की बढ़त बना ली। दूसरे हफ्ते में भारतीय टीम ईरान के डिफेंस पर पूरी तरह से हावी नजर आई। हालांकि, ईरान के रेडर एनाज जोबान की तीन प्वाइंट की सुपर रेड ने टीम को मैच में वापस लाने का काम किया। दवाव में भारतीय डिफेंस और रेडर्स ने कमाल का संयम दिखाया। भारत ने सुपर टैकल करते हुए मुकामले में 26-21 की बढ़त बनाई। इसके बाद ईरान के रेडर्स ने एक के बाद एक गलती की, जिसका भरपूर फायदा भारतीय टीम को मिला। प्वाइंट्स के अंतर को कम करने की जल्दबाजी में ईरान के रेडर्स ने भारतीय डिफेंस को तोहफे के तौर पर कई अहम प्वाइंट्स दिए, जिससे भारत की लीड बढ़ती चली गई। यह भारत की लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले, टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की थी। टीम की ग्रुप ए में आगामी भिड़त अब जापान से पुरवार को होगी। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अपने गोल्ड मेडल का बचाव करने लगी है। एशियन गेम्स 2026 में कुल 8 कबड्डी टीमों हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है। भारत को ईरान, बांग्लादेश और जापान के साथ रखा गया है। वहीं, ग्रुप बी में श्रीलंका, थाईलैंड, चीनी ताइपे और नेपाल मौजूद हैं।

क्रिकेटर बनने निकले थे जय मीणा, सॉफ्ट टेनिस में खदिया इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। जय मीणा ने बुधवार को एशियन गेम्स में सॉफ्ट टेनिस का भारत का पहला पदक जीता। पुरुष सिंगल्स के सेमीफाइनल में जापान के ताकूया कुरोसाका से 2-4 से हारने के बावजूद उन्हें कांस्य पदक मिला। तीसरे एशियन गेम्स खेल रहे 26 साल के जय मुकामले में एक समय तीन गेम से पिछड़ गये थे, उन्होंने शानदार वापसी करते हुए दो गेम जीते। उन्होंने शानदार बरकरार नहीं रख सके। 45 मिनट बने मुकामले में कुरोसाका ने उन्हें 3-5, 1-4, 1-4, 4-1, 6-4, 1-4 से हराया। एशियन गेम्स में भारत को सॉफ्ट टेनिस का पहला पदक दिलाने वाले जय मीणा की कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं। जिस खेल का हिस्सा बनने का उन्होंने कभी सपना भी नहीं देखा था, उसी में आज देश के लिए इतिहास रच दिया। देवास का एक लड़का क्रिकेटर बनना चाहता था। बल्ला फकरम मेदान पर उठने का सपना था, लेकिन क्रिकेट में उसके लिए एक अलग खेल चुन रहा था। एक साथ खेल, जिसके बारे में उसने शायद पहले कभी सुना भी नहीं था। नाम था जय मीणा। मध्य प्रदेश के देवास में पले-बढ़े जय ने अपने पाथफायर पब्लिक स्कूल पहुंचे, तो पहली नजर में सॉफ्ट टेनिस ने उन्हें आकर्षित नहीं किया था।



एशियन गेम्स खत्म हुआ 28 साल का सूरवा



नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारत की स्टार महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने अपना पहला सिल्वर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया है। मीराबाई ने 28 साल का सूरवा खत्म कर रते हुए देश को वेट लिफ्टिंग में 1998 के बाद पहला एशियन गेम्स मेडल दिलाया है। 49 किलोग्राम वर्ग में मीराबाई ने कुल 198 किग्रा का वजन उठाया। इसके बाद दूसरे प्रयास में वह 85 किलो का भार उठाने में कामयाब रही। तीसरे प्रयास में मीराबाई ने 87 किलो वजन उठाया। वलीन एंड जर्क राउंड में भी मीराबाई का प्रदर्शन शानदार रहा। मीराबाई ने वलीन एंड जर्क राउंड के पहले प्रयास में 107 किलो का भार उठाया। वहीं, दूसरी कोशिश में वह 111 किलो का वजन उठाने में सफल रही। वहीं, नॉर्थ कोरिया की खिलाड़ी री सोंग-गम ने गोल्ड मेडल को अपने नाम किया। साल 1998 में कर्ण मल्होत्रा ने भारत के लिए वेटलिफ्टिंग में आखिरी मेडल जीता था। इसके बाद से कोई भी खिलाड़ी एशियन गेम्स में देश के लिए मेडल नहीं ला सका था। हालांकि, मीराबाई का गोल्ड मेडल जीतने का सपना साकार नहीं हो सका। मीराबाई चानू ने एशियन गेम्स में अपने मेडल का सूरवा भी खत्म कर दिया है।

2026 में वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-11 बैट्स

शुभमन नंबर 1, रोहित शर्मा शीर्ष-10 से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वनडे टीम शुभमन गिल की कप्तानी में 27 सितंबर से एक्शन में नजर आने वाली है जो वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज खेलेंगे। इस वनडे सीरीज में एक बार फिर से टीम इंडिया के स्टार बैट्समैन रोहित शर्मा, शुभमन गिल जैसे बल्लेबाजों के प्रदर्शन पर नजर रहने वाली है। इनमें से भी कोहली और रोहित अब सिर्फ भारत के लिए वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं तो उनके भविष्य के लिए ये सीरीज काफी अहम रहने वाली है।

शुभमन गिल हैं टॉप पर रोहित शर्मा शीर्ष-10 से बाहर

भारत-वेस्टइंडीज वनडे सीरीज से पहले बात अगर साल 2026 में वनडे प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की करें तो इस लिस्ट में भारतीय कप्तान शुभमन गिल पहले नंबर पर हैं जबकि टीम इंडिया के ओपनर बल्लेबाज रोहित शर्मा फिलहाल तो टॉप-10 से बाहर हैं। हालांकि इस लिस्ट में विराट कोहली 10वें नंबर पर मौजूद हैं तो वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट लिस्ट में दूसरे स्थान पर मौजूद हैं। शुभमन गिल ने अब तक वनडे प्रारूप में साल 2026 में 9 मैच खेले हैं और इन मैचों में उन्होंने एक शतक की मदद से 561 रन बनाए हैं जबकि दूसरे नंबर पर मौजूद जो रूट ने 7 मैचों में एक शतक की मदद से 540 रन बनाए हैं। तीसरे नंबर पर नेपाल के बल्लेबाज दीपे सिंह ऐरी हैं जिन्होंने 14 मैचों में 513 रन बनाए हैं। रोहित शर्मा 9 मैचों में 379 रन के साथ 11वें स्थान पर हैं जबकि विराट कोहली 6 मैचों में 384 रन के साथ 10वें स्थान पर हैं।

महिलाओं के बाद भारतीय पुरुष स्क्वैट टीम का कमाल, ब्रॉन्ज मेडल पर जमाया कब्जा

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं के बाद भारतीय पुरुष स्क्वैट टीम ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। भवते सिंह गिल, अनंतजीत सिंह नाथक और मेकज अहमद खान की तिक्की ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम किया है। भारतीय स्क्वैट टीम ने फाइनल में कुल 346 का स्कोर करते हुए ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। कुवेत ने 348 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि कतर की टीम 353



स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीतने में सफल रही। अनंतजीत ने इस स्पर्धा के व्यक्तिगत फाइनल के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। इससे पहले भारत की महिला स्क्वैट टीम ने भी देश को इसी स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। पर्सिना धालीवाल, रंजिया डिल्ली और माधेश्वर चौहान ने कुल 331 का स्कोर करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले, शूटिंग में भारत की उम्मीदों को उस समय कबड़ झटका लगा, जब मनु भाकर 10 मीटर एयरपिस्टल व्यक्तिगत इवेंट में मेडल लाने से चूक गई। मनु 181.1 के स्कोर के साथ फाइनल में पांचवें स्थान पर रही। मनु अपने प्रदर्शन से खुद निराश नजर आई। इसके साथ ही 10 मीटर एयरपिस्टल के टीम इवेंट में भी मनु, ईशा और सुसुचित की तिक्की मेडल जीतने से ममलूकी अंतर से चूक गई। भारतीय महिला टीम चौथे स्थान पर रही।

जय मीणा ने रचा इतिहास

सॉफ्ट टेनिस में भासत को दिलाया पहला ब्रॉन्ज मेडल

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में जय मीणा ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने के साथ अपना सफर खत्म पुरुषों के सॉफ्ट टेनिस के लिए पहला मेडल जीता है। हालांकि संयोग से शुरू हुआ। सेमीफाइनल में उन्हें जापान के ताकूया कुरोसाका से 2-4 से हार का सामना करना पड़ा।



मगर जब उन्होंने देवास के बावजूद वह ब्रॉन्ज मेडल को अपने नाम करने में सफल दाखिला दिया, तो चर्चा बने रहे हैं। मीणा ने क्वाट री सॉफ्ट टेनिस कोर्ट ने उनका फाइनल में शेर विजय घ्याना खींचा। पहले वे नुगुड के खिलाफ खिलाड़ियों को खेलते शानदार वापसी कर रहे थे और बाद में बॉल बॉय कर रहे लगे। एशियन गेम्स में सॉफ्ट टेनिस में भारत का पहला मेडल पक्का किया था। उस मैच में वे आखिरी गेम में पीछे चल रहे थे, लेकिन फिर वापसी की। स्कूल और जिला स्तर का रते हुए लगातार चाकू की प्रतियोगिताओं से प्वाइंट जीते और क्वाट शुरुआत करने के बाद वे फाइनल 4-3 से जीतकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक सेमीफाइनल में जगह बनाई, पहुंचे।

तैदुलकर से 1 पारी कम खेल रहा इतिहास

23,000 रन पूरे किए जो रूटने क्रिकेट में

नई दिल्ली, एजेंसी। मंगलवार को इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच रिवरसाइड ग्राउंड, चेस्टर-ली-स्ट्रीट में वनडे सीरीज का पहला मुकामला खेला गया। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट के लिए यह मैच यादगार रहा। रूट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 23,000 रन पूरे किए। जो रूट ने श्रीलंका के खिलाफ खेले हुए इस मैच में 44 रन पारी खेली। इस पारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रूट के 23,000 रन पूरे हुए। उपलब्धि रूट ने अपनी पारी का तीसरा रन बनाते ही हासिल की। रूट ने 23,000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने के लिए टेस्ट, वनडे और टी20 फॉर्मेट मिलाकर कुल 521 पारी खेली। सबसे तेज 23,000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने के मामले में रूट दूसरे स्थान पर चले गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर से एक पारी कम खेल यह उपलब्धि हासिल की है। तेंदुलकर ने यहाँ तक पहुंचने के लिए 522 पारियां खेली थीं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने यह उपलब्धि 490 पारी में हासिल की थी। जो रूट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 23,000 रन पूरे करने वाले इंग्लैंड के पहले और ओवरऑल आठवें बल्लेबाज हैं। रूट के तीनों फॉर्मेट मिलाकर 394 मैचों की 521 पारियों में 23,041 रन हो गए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 61 शतक और 122 अर्धशतक निकले हैं। फॉर्मेट के आधार पर रूट के आंकड़ों पर गौर करें, तो 169 टेस्ट में 41 शतक और 69 अर्धशतक की मदद से 14,278 रन, 193 वनडे में 20 शतक और 48 अर्धशतक की मदद से 7,870 रन और 32 टी20 मैचों में 5 अर्धशतक की मदद से उन्होंने 893 रन बनाए हैं।





रों के संस्थापक आर.एन. काओ की कहानी बड़े पर्दे पर लाएंगे करण जौहर

भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्व एंड एनालिसिस विंग (रॉ) की नींव रखने वाले दिग्गज जासूस रामेश्वर नाथ काओ की कहानी अब बड़े पर्दे पर देखने को मिलेगी। करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस और लियो मीडिया कलेक्टिव ने आर.एन. काओ की जिंदगी और उनके काम पर बनने वाली एक बड़े स्तर की स्पॉट एक्शन फिल्म की घोषणा कर दी है।

फिल्म का नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इसकी रिलीज डेट लॉक कर दी गई है। यह फिल्म 11 अगस्त 2028 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। करण जौहर इससे पहले 'केसरी', 'राजी', 'शेरशाह' और 'केसरी: वॉल्टर 2' जैसी फिल्मों के जरिए देश से जुड़ी कहानियों और अनुसूच किरदारों को पर्दे पर ता चुके हैं। अब वह फिल्म रॉ के संस्थापक आर.एन. काओ के सफर को पर्दे पर दिखाएंगे।

रॉ की स्थापना 1968 में हुई थी। मेकर्स का लक्ष्य 2028 में एजेंसी के 60 साल पूरे होने के आसपास इस कहानी को बड़े पर्दे पर लाना है। फिल्म को फिलहाल डेवलपमेंट स्टेट में रखा गया है। करण जौहर ने फिल्म को लेकर कहा, "लियो मीडिया कलेक्टिव पिछले दो साल से इस कहानी पर काफी रिसर्च और काम कर रहा है। हम इस कहानी को सच्ची घटनाओं पर आधारित एक रोमांचक फिल्म के रूप में पेश करना चाहते हैं। फिल्म के जरिए रॉ को श्रद्धांजलि देने और एजेंसी की महत्वपूर्ण विरासत को बड़े पर्दे पर सम्मान देने की कोशिश की जाएगी। धर्मा प्रोडक्शंस की पूरी टीम इस प्रोजेक्ट को शुरू करने के लिए काफी उत्साहित है।"

फिल्म की कहानी लेखक नितिन गोखले की किताब 'जेंटलमैन स्पाईमास्टर' पर आधारित होगी। इसमें आर.एन. काओ के 1955 से 1971 तक के सफर को दिखाया जाएगा। कहानी उस दौर पर फोकस करेगी जब भारत में एक अलग बाहरी खुफिया एजेंसी की जरूरत महसूस हुई और आगे चलकर रॉ का गठन हुआ। इसके बाद 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान एजेंसी के शुरुआती मिशन को भी कहानी में जगह दी जाएगी।



भाषा की ट्रेलिंग पर रश्मिका मंदाना ने दिया जवाब

एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने अलग-अलग फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के दौरान अपने एक्सटेंड और भाषा को लेकर होने वाली ट्रेलिंग पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वह किसी एक भाषा में जरूरी नहीं कि बहुत अच्छी हों। उनका सफर अलग-अलग भाषाओं और किरदारों के हिसाब से लगातार चलने का रहा है। इंटरव्यू में रश्मिका ने कहा कि वह हर भाषा को अपनी भाषा मानती हैं।

भाषाओं को लेकर बोलीं रश्मिका

रश्मिका ने कहा, "मैं कोडवा हूँ और कोडवा तकक बोलती हूँ। मेरी मातृभाषा के लिए कोई फिल्म इंडस्ट्री नहीं है। इसलिए भाषा मेरे करियर में कभी रुकावट नहीं बनी।" उन्होंने कहा, "मैं सभी भाषाओं को अपनी भाषा मानती हूँ। मेरे फैंस, जिन्हें मैं अपना परिवार कहती हूँ, उन्होंने सबसे पहले मुझसे तेलुगु फिल्म करने को कहा था।" रश्मिका ने बताया कि हिंदी को लेकर भी ऐसा ही हुआ। इसी तरह उनका करियर अलग-अलग भाषाओं में आगे बढ़ता गया। जब उनसे एक्सटेंड को लेकर लोगों की प्रतिक्रियाओं के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि अलग तरह से बोलने को लेकर लोगों की राय सुनने की अब उन्हें आदत हो गई है। रश्मिका ने कहा, "जब तक मैं किसी भाषा में पूरे ग ए सवालों का जवाब दे सकती हूँ, तब तक ठीक है। इसी तरह मैं दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से आए अपने दर्शकों का सम्मान करती हूँ।" उन्होंने आगे कहा, "मैं हर काम में हाथ आजमाने वाली हूँ, लेकिन किसी एक काम में मास्टर नहीं हूँ।"

रश्मिका फिल्मों पर फोकस रखती हैं

रश्मिका ने कहा कि फिल्मों में अपने एक्सटेंड को लेकर होने वाली बेवजह की चर्चाओं पर वह ज्यादा ध्यान नहीं देती। इसके बजाय, वह अपने किरदार को पूरी क्षमता से निभाने पर ध्यान देती हैं। उन्होंने कहा, "एक्ट्रेस के तौर पर मेरा काम सेंट पर अच्छी कहानियाँ सुनाना

और फिर वापस आना है। हर फिल्म के साथ मेरा मानना है कि हममें से सबसे अच्छा हिस्सा कुछ जादुई बनाने के लिए साथ आता है।" रश्मिका ने कहा, "मैं अपने काम पर ध्यान देती हूँ। फिल्म का नतीजा इन सभी लोगों की ऊर्जा के साथ आने का परिणाम होता है।" उन्होंने आगे कहा, "मैं किसी के काम में दखल नहीं देना चाहती। मैं सिर्फ एक एक्ट्रेस के तौर पर अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन देने पर ध्यान देती हूँ।"

'एनिमल' के एक सीन पर रश्मिका ट्रोल हुई थीं

बता दें कि साल 2023 में फिल्म 'एनिमल' को लेकर रश्मिका को ट्रोल किया गया था। फिल्म के ट्रेलर में रश्मिका मंदाना के करवावोथ वाले सीन ने खूब चर्चा बटोरी थी। इस सीन में रणबीर कपूर के किरदार के साथ उनके डायलॉग और बोलने के अंदाज को लेकर सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया गया था। कई लोगों ने कहा कि उनका डायलॉग साफ समझ नहीं आ रहा था। जिसके बाद रश्मिका नेहा धुपिया के टॉक शो में इस ट्रेलिंग पर बात की थी। उन्होंने कहा था कि यह सीन करीब 9 मिनट लंबा था और शूटिंग के दौरान सेंट पर मौजूद लोगों ने इसे पसंद किया था। लोगों ने तालियाँ भी बजाई थीं। लेकिन ट्रेलर में सिर्फ करीब 10 सेकंड का हिस्सा दिखाया गया, जिस पर उन्हें ट्रोल किया गया। रश्मिका ने कहा था कि कलाकार को पता होता है कि उसने पूरा सीन कैसे किया है, लेकिन दर्शक सिर्फ कुछ सेकंड देखकर अपनी राय बनाते हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि वह आलोचना समझती हैं, लेकिन कलाकारों को व्यक्तिगत तौर पर ट्रोल करना सही नहीं लगता।

इन फिल्मों में नजर आएंगी

वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार हिंदी फिल्म 'कांफेस 2' में नजर आई थीं। वहीं, रश्मिका की साल 2025 में पांच फिल्में रिलीज हुईं। उन्होंने हिंदी फिल्म 'छावा' में महाराणी येसुबाई का किरदार निभाया। इसके बाद वह 'सिकंदर' में सेसरी राजकोट की भूमिका में नजर आईं। वहीं, रश्मिका ने तेलुगु-तमिल डिमाबी फिल्म 'कुबेर' और हिंदी फिल्म 'धामा' में भी काम किया। इसके अलावा वह तेलुगु फिल्म 'द ग्लोबल' में भी नजर आईं। रश्मिका मंदाना जल्द अपने पति विजय देवरकोटा के साथ फिल्म 'रणबाती' में दिखाई देंगी। यह फिल्म 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।



वाराणसी के बाद संजय लीला भंसाली से हाथ मिला सकते हैं महेश बाबू

महेश बाबू अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' को लेकर चर्चा में हैं। इसके निर्देशक एसएस राजामौली हैं। अब खबर आ रही है कि वह बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं। उम्मीद है कि उनकी अगली फिल्म भंसाली के साथ होगी।

महेश बाबू से हुई

भंसाली की मुलाकात

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संजय लीला भंसाली और महेश बाबू हाल ही में मिले और एक फिल्म की कहानी पर चर्चा की। बताया जाता है कि इस प्रोजेक्ट में शानदार सेंट और संयय की फिल्में वाली खास विजुअलाइजेशन देखने को मिलेगी। हालांकि, इस बारे में कोई



आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। न ही निर्देशक और न ही अभिनेता ने इस पर कुछ कहा है।

अभी वया कर रहे हैं संजय लीला भंसाली

संजय लीला भंसाली फिलहाल अपनी अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' में व्यस्त हैं। इसमें आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और त्विक्की कोशल हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म एक पोस्टर ड्रामा है। 'लव एंड वॉर' 2027 में रिलीज होने वाली है।

महेश बाबू ने शुरू की डबिंग

इस बीच महेश बाबू अभी 'वाराणसी' की शूटिंग पर ध्यान दे रहे हैं। यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी। खबरों के मुताबिक अभिनेता ने फिल्म में अपने ज्यादातर हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है और बाकी हिस्सा, जो उनका इंट्रोडक्शन सीन है, बाद में शूट करेंगे। खबर है कि उन्होंने अपने किरदार के लिए डबिंग भी शुरू कर दी है।

रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि प्रियंका चोपड़ा ने भी अपने ज्यादातर हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। जबकि ध्वीराज सुकुमारन ने भी इस साल की शुरुआत में एक शोशुयू की शूटिंग पूरी कर ली थी।

आउटसाइडर होने पर बोलीं तारा सुतारिया

बॉलीवुड में पहचान बनाने का सपना लेकर आने वाले हर कलाकार का सफर एक जैसा नहीं होता। कुछ को फिल्मी परिवार का सहारा मिलता है, तो कुछ हुनर और मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में जगह बनाने की कोशिश करते हैं। अभिनेत्री तारा सुतारिया का सफर भी ऐसा ही है।

अभिनय के साथ संगीत और गायकी में रुचि रखने वाली तारा ने टेलीविजन से शुरुआत की और 2019 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बड़े पर्दे पर कदम रखा। तारा सुतारिया का फिल्मी सफर कई अनुभवों से गुजर चुका है। उन्होंने रोमांटिक और एक्शन फिल्मों में काम किया और अगुआई जैसी सर्वोच्च शिखर में मुख्य भूमिका निभाई। इस दौरान उन्हें फिल्मों से रिलेस किए जाने और इंडस्ट्री में आउटसाइडर होने की चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

फिल्मों से रिलेस होने का अनुभव

फिल्म इंडस्ट्री में काम पाने के साथ-साथ किसी प्रोजेक्ट का हिस्सा बने रहना भी कलाकारों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। तारा सुतारिया ने करियर के दौरान ऐसे अनुभवों का सामना किया है। जून टीवी एंटरटेनमेंट के इंटरव्यू में तारा ने फिल्मों से रिलेस किए जाने के अनुभवों पर बात की। उन्होंने बताया कि कुछ मौकों पर उन्हें फिल्मों से बाहर किए जाने की जानकारी मिली, जबकि वह उन प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने की उम्मीद कर रही थीं। किसी फिल्म से जुड़े होने की उम्मीद के बाद अचानक किसी दूसरे कलाकार को अपनी जगह देखना भावनात्मक रूप से मुश्किल हो सकता है। तारा के लिए भी यह शुरुआती करियर का ऐसा अनुभव रहा, जिसने उन्हें इंडस्ट्री के काम करने के तरीके को समझने का अवसर दिया। तारा सुतारिया ने इंटरव्यू में बॉलीवुड में अपने आठ साल के सफर पर बात की थी। इस इंटरव्यू में तारा ने कहा

कि जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में शुरुआत की, तब वह बहुत कम लोगों को जानती थीं। फिल्मी दुनिया के काम करने के तरीकों को समझने में उन्हें कई साल लगे। उन्होंने बताया था कि फिल्मी परिवार से नहीं आने वाले कलाकारों के लिए इंडस्ट्री को समझना अलग अनुभव होता है। फिल्मी परिवारों से जुड़े लोगों को कई बार फिल्मों के बनने, प्रोजेक्ट्स के टूट होने और इंडस्ट्री में काम के अवसरों की जानकारी पहले से मिल जाती है। तारा के मुताबिक, बाहर से आने वाले कलाकारों के लिए ऐसी जानकारीयाँ आसानी से उपलब्ध नहीं होतीं। उन्होंने अपने अनुभव को मुश्किल और कई बार अकेलेपन भरा बताया। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता और दोस्तों का सहयोग उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा। वह अपने परिवार से काम और निजी जीवन से जुड़ी परेशानियों पर बात कर पाती हैं।



साउथ की फिल्मों में ही क्यों कहलाती हैं पैन-इंडिया, यह कैसा डबल स्टैंडर्ड?

तेलुगु सुपरस्टार घंटा नवीन बाबू उर्फ नानी जहां इन दिनों अपनी फिल्म 'द पैराडाइज' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं, वहीं उन्होंने भारतीय सिनेमा में सिर्फ साउथ इंडियन फिल्मों के लिए ही 'पैन-इंडिया' शब्द के इस्तेमाल पर आपत्ति जताई है। 42 साल के एक्टर ने इसे 'डबल स्टैंडर्ड' कहा है और सीधा सा तर्क दिया है कि यह दोहरा मापदंड है, जो हिंदी सिनेमा को फायदा पहुंचाता है। नानी ने चैनल 4 में एक इंटर्व में कहा कि साउथ इंडियन फिल्मों को एक ऐसे टैग में सीमित कर दिया गया है, जिससे लगता है कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह साबित करने की जरूरत है।

नानी ग'द पैराडाइज' के प्रमोशन के लिए चैनल 4 में थे। दो बार पोस्टर होने के बाद उनकी यह फिल्म अब 24 सितंबर 2026 को रिलीज होने वाली है। इंटर्व में प्रेस मीट के दौरान एक्टर ने कहा, 'जब कोई हिंदी फिल्म साउथ में सफल होती है, तो हम

उसे हिंदी फिल्म ही कहते हैं। लेकिन जब कोई साउथ इंडियन फिल्म पूरे देश में सफल होती है, तो हम उसे पैन-इंडिया फिल्म कहते हैं। मैं अपनी फिल्मों को पैन-इंडिया फिल्म का लेबल नहीं देना चाहता।'

ये टैग हिंदी और बाकी भाषा की फिल्मों में फर्क पैदा करता है

'दसरा' मूवी फेम एक्टर नानी ने आगे कहा कि उनके लिए मुदा सिर्फ एक शब्दावली का नहीं है। उनका मानना है कि यह ग'द हिंदी सिनेमा और साउथ की फिल्मों के बीच अन्तर्गत में ही एक फर्क पैदा करता है। जबकि भले ही दोनों फिल्में पूरे देश के दर्शकों तक पहुंचती हों। नानी ने कहा कि उन्हें 'पैन-इंडिया फिल्म' वाले टैग से चिढ़ है। वह बोले, 'मैं फिल्मों पर उसकी कहानी के दम पर चर्चा होते देखना पसंद करूँगा, न कि किसी ऐसे टैग के जरिए जो यह संकेत दे कि किसी क्षेत्रीय फिल्म ने अपनी मूल भाषा से बाहर दर्शक पाकर कुछ असाधारण हासिल किया है।'

5 भाषाओं में हो रिलीज रही 'द पैराडाइज'

नानी की यह बात ऐसे समय में आई है, जब बड़े बजट की तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम फिल्में डब वर्जन में एकसाथ कई भाषाओं में रिलीज हो रही हैं। खुद उनकी नई रिलीज 'द पैराडाइज' की सभी 5 भाषाओं में रिलीज की तैयारी कर रही है।

तमिल सिनेमा में लिए बाइबिल की तरह

एक्टर नानी ने इवेंट बताया कि एक बड़े तेलुगु स्टार बनने से बहुत पहले ही, तमिल सिनेमा का उन पर किताब गहरा असर पड़ा था। उन्होंने कहा, 'तमिल सिनेमा मेरे लिए बाइबिल की तरह है। सिनेमा के प्रति मेरी जानकारी, प्यार और दिलचस्पी यहीं से शुरू हुई। कमल हासन सर, मणि सर, भारतीराजा सर, भायरराज सर और ऐसे ही कई दिग्गजों को देखकर, जिन्होंने सिनेमा को देखने का मेरा नजरिया बनाया।'

नानी की दो तमिल फिल्में, दोनों फ्लॉप

नानी ने अपने करियर में अब तक दो तमिल फिल्में, 'वेयम' और 'आहा कल्याणम' में काम किया है।

हालांकि, दोनों ही फ्लॉप रही हैं। एक्टर ने कहा, 'मैंने दो तमिल फिल्में की हैं, लेकिन बदकिस्मती से दोनों ही नहीं चलीं। हालांकि, मेरी जो भी तेलुगु फिल्में तमिल में डब होती हैं, उन्हें तमिल दर्शक बहुत पसंद करते हैं। मैं सब में तमिल सिनेमा में एक अच्छी फिल्म बनाना चाहता हूँ। और मणि रत्नम के साथ काम करना मेरा सपना है।'

बिना ट्रेलर के ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी 'द पैराडाइज'

'द पैराडाइज' फिल्म का रनटाइम 2 घंटे 49 मिनट है। लेकिन सबसे दिलचस्प बात यह है कि मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर नहीं रिलीज करने का फैसला किया है। यानी बिना ट्रेलर के ही यह फिल्म सोधे 24 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। असल में फिल्म के पोस्टर-प्रोडक्शन का कुछ काम



कलेक्टर ममगाई ने ली अधिकारियों की बैठक, कहा – सेवा संकल्प अभियान को जनसेवा के लिए समर्पित

जनप्रतिनिधियों, स्वच्छता दीदियों, स्कूली बच्चों और आम नागरिकों को जोड़कर इसे जन आंदोलन बनाया जाए

नई दृष्टिविंदु / बेमेतरा

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक लेकर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान के तहत निर्धारित प्रत्येक कार्यक्रम को गंभीरता से लें और जिला एवं ब्लॉक स्तर के सभी कार्यक्रमों को जनसेवा के लिए समर्पित भाव से क्रियान्वित करें।

कलेक्टर ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि शासन की मंशा के अनुरूप जनता तक सीधे पहुंचकर सेवा भाव के साथ कार्य करने का संकल्प है। इसके निर्देशों को प्रभावी रूप से धरातल पर उतारना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। कलेक्टर ने अभियान के अंतर्गत



आयोजित होने वाले प्रमुख कार्यक्रमों – स्वच्छता कार्यक्रम, आंगन का उत्सव, भरे सपनों का भारत, वृक्षारोपण, सेवा ज्योति कलश यात्रा, सेवा के रंग, राष्ट्र के संग, रक्तदान शिविर सहित सभी गतिविधियों को उद्देश्यपूर्ण एवं सफल बनाने के निर्देश दिए।

स्वच्छता कार्यक्रम – कलेक्टर ने कहा कि 23 सितंबर को बेमेतरा नगर पंचायत एवं 25 सितंबर को ग्राम पंचायत मंडल में होने वाले स्वच्छता अभियान में सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी हो। जनप्रतिनिधियों, स्वच्छता दीदियों, स्कूली बच्चों एवं आम नागरिकों को जोड़कर इसे जन आंदोलन बनाया जाए।

आंगन का उत्सव – 26 सितंबर को नवागढ़ में आयोजित महिला समाज एवं महिला खेलकूद कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, मितांनियों, स्व सहायता समूह की महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा। भरे सपनों का भारत – इस कार्यक्रम के तहत युवाओं में राष्ट्र निर्माण एवं विकसित भारत के सपने को लेकर निबंध, चित्रकला एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।

वृक्षारोपण एवं सेवा ज्योति कलश यात्रा – 2 अक्टूबर को संबलपुर में पौधा रोपण तथा 7

अक्टूबर को नवागढ़ में सेवा ज्योति कलश यात्रा एवं रंगोली कार्यक्रम प्रेषा के रंग, राष्ट्र के संग थीम पर भव्य रूप से आयोजित करने कहा। रक्तदान शिविर – 9 अक्टूबर को नवागढ़ एवं साजा में आयोजित रक्तदान शिविर में युवाओं को प्रेरित कर अधिक से अधिक रक्तदान कराते के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने खाद्य विभाग द्वारा 27 से 30 सितंबर तक आयोजित शिविरों में राशन कार्ड से वंचित परिवारों का शत-प्रतिशत कार्ड बनाने, ई-केवाईसी एवं पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सभी नोडल अधिकारी अपने-अपने कार्यक्रम स्थल का पूर्व भ्रमण कर लें, सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करें और कार्यक्रमों की फोटोग्राफी, रिपोर्टिंग एवं जनसंपर्क के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार भी सुनिश्चित करें। बैठक सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

खास खबर

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की संवेदनशील पहल : बेसहारा बुजुर्ग को मिला वृद्धाश्रम में सहारा



नई दृष्टिविंदु / बेमेतरा

मानवीय संवेदनशीलता और न्याय सुलभता का अनुकरणीय उदाहरण पेश करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा ने एक निराश्रित वरिष्ठ नागरिक को स्तरीय विधिक सहायता प्रदान कर सुरक्षित आश्रय दिलाया। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण विलासपुर के आदेशानुसार एवं सरोज नंद स्व, प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बेमेतरा के मार्गदर्शन में तथा सचिव स्वर्णलता ओम यादव के दिशा निर्देश पर चलाए जा रहे कल्याण अभियान के अंतर्गत यह कार्रवाई की गई।

जागरूकी के अनुसार थाना में पदस्थ अधिकार मित्र पवन कुमार सहार को एक वरिष्ठ व्यक्ति मिले, जिन्होंने बातचीत में बताया कि उनके ही परिवार के सदस्यों ने उन्हें घर से बाहर निकाल दिया है। उनके पास रहने का कोई ठिकाना नहीं है। अधिकार मित्र ने तत्काल इसकी सूचना सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को दी। सूचना मिलते ही प्राधिकरण ने संवेदनशीलता दिखाते हुए बुजुर्ग के भोजन व संरक्षण की व्यवस्था करते हुए अधिकार मित्र के माध्यम से उन्हें सुरक्षित रूप से वृद्धाश्रम को ली। बेमेतरा पहुंचा।

बाद में सचिव स्वर्णलता ओम यादव स्वयं वृद्धाश्रम पहुंची और बुजुर्ग से उनकी समस्याएं एवं घर वापसी की इच्छा के संबंध में मुलाकात की। विरिष्ठ व्यक्ति ने अपना भय जीवन वृद्धाश्रम में ही व्यतीत करने की इच्छा जताई, साक्षी अपने पुत्र-पुत्रियों से भय-भयाना की मांग रखी। जिस पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उन्हें उचित विधिक सहायता प्रदान की जा रही है। यह प्रहल दशाती है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण केवल कानूनी सहायता तक सीमित नहीं, बल्कि जरूरतमंद, असहाय एवं वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और सुरक्षा के लिए भी तत्पर है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 'डिजिटल व वित्तीय साक्षरता कार्यशाला' का सफल आयोजन

मोहला। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत शासन की योजनाओं और सुविधाओं से जोड़ने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। जिसके तहत नीति आयोग के आकांक्षी जिला कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के विरिष्ठ, मोहला एवं मानपुर में सम्यं ग्राम मॉडल डिजिटल विलेज पहल के तहत डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में मोहला में विद्यार्थियों, युवाओं एवं स्व-सहायता समूहों के सदस्यों के लिए डिजिटल एवं वित्तीय साक्षरता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का आयोजन कलेक्टर तनुजा सलाम एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को डिजिटल सेवाओं, सुरक्षित डिजिटल लेन-देन, बैंकिंग सुविधाओं तथा साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और ग्राम स्तर पर डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना रहा। कार्यशाला में एलडीएम देवजी गुप्ता ने बैंकिंग एवं वित्तीय साक्षरता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। आरसेटी नोदेशक खोरागड़े ने वित्तीय जागरूकता तथा विभिन्न बैंकिंग सेवाओं के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग के संबंध में मार्गदर्शन दिया। वहीं माइक्रोसेव केसल्लिंग के खारद कुमार ने डिजिटल सेवाओं के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन लेन-देन में सावधानियों तथा साइबर धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को डिजिटल एवं वित्तीय सेवाओं के उपयोग से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। साथ ही उन्हें डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते समय व्यक्तिगत एवं वित्तीय जानकारी को गोपनीयता बनाए रखने, सॉफ्टवेयर लिंक एवं कॉल से सावधान रहने तथा किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी को स्थिति में तत्काल आवश्यक कदम उठाने के संबंध में जागरूक किया गया।

दिशा-निर्देश

कलेक्टर ने चरवाहे की व्यवस्था और दुर्घटना रोकने के प्रभावी उपाय करने के लिए निर्देश

राष्ट्रीय राजमार्ग पर घुमंतु पशुओं के प्रबंधन के लिए ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी जरूरी : कलेक्टर

नई दृष्टिविंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेंद्र यादव की अध्यक्षता में जिला पंचायत के सभाकक्ष में राष्ट्रीय राजमार्ग एवं प्रमुख मार्ग पर घुमंतु पशुओं के प्रबंधन और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम पंचायतों के सरपंच-सचिव, जनप्रतिनिधियों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, पुलिस विभाग, नगरीय निकाय तथा राष्ट्रीय राजमार्ग से संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कहा कि सड़क पर पशुओं के विचरण से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रशासन, पुलिस और राष्ट्रीय राजमार्ग की टीम के साथ ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों और ग्राम पंचायतों की सहभागिता से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है। उन्होंने सभी सरपंच एवं सचिवों को अपने-अपने क्षेत्र में प्रभावी व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ग्राम पंचायतों को अपने उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए चरवाहे की व्यवस्था करने कहा,



ताकि राष्ट्रीय राजमार्गों एवं प्रमुख सड़कों पर विचरण करने वाले पशुओं को तत्काल सुरक्षित स्थलों पर पहुंचाया जा सके। इसके लिए स्थानीय दस्ते संरक्षण तथा अन्य उपलब्ध संसाधनों का नियमानुसार उपयोग करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि आगामी तीन माह तक कार्यपालन अधिकारियों को ग्राम पंचायतों से प्रस्ताव प्राप्त कर पशु आश्रय स्थलों में आवश्यक शैड, फेंसिंग, चारा एवं पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क के आसपास उपलब्ध शासकीय भूमि का लिए प्रोत्साहन तथा बेहतर कार्य करने वाले सरपंचों को सम्मानित करने की बात भी कही।

कलेक्टर ने ग्राम पंचायतों के पशु आश्रय स्थलों की सक्रिय करने पर जोर देते हुए कहा कि पशुओं के संरक्षण के साथ मानव-पशु टकराव को रोकना भी इसका महत्वपूर्ण उद्देश्य है। उन्होंने जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को ग्राम पंचायतों से प्रस्ताव प्राप्त कर पशु आश्रय स्थलों में आवश्यक शैड, फेंसिंग, चारा एवं पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क के आसपास उपलब्ध शासकीय भूमि का विचार कर आवश्यकता के अनुसार सुरक्षित पशु

आश्रय स्थल विकसित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में विभिन्न पंचायतों में उपलब्ध गौजनों की क्षमता तथा अतिरिक्त पशुओं को रखने के लिए किए जा रहे प्रयासों को जानकारी दी गई।

कलेक्टर ने राष्ट्रीय राजमार्ग की पेट्रोलिंग टीम, पुलिस और ग्राम पंचायतों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क पर पशुओं के पाए जाने की सूचना तत्काल संबंधित टीम तक पहुंचनी चाहिए, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। इसके लिए सरपंच, सचिव, चरवाहे, जनपद पंचायत एवं राष्ट्रीय राजमार्ग की टीम को समन्वित सूचना समूह से जोड़ ? के निर्देश दिए गए। उन्होंने रजिस्ट्रार जनरल को प्रभावी बनाने के साथ दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी तथा उपलब्ध अन्य संसाधनों का बेहतर उपयोग करने कहा। बैठक में सीटीओ जिला पंचायत दुर्गा प्रयाग अधिकारी, अपर कलेक्टर सीहल मारकण्ड, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, यातायात पुलिस के अधिकारी, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सरपंच, सचिव तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

असुविधा न हो।

गौशाला और गौठानों की व्यवस्था – कलेक्टर ने गौशालाओं और गौठानों की

छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों से कराया अवगत नशामुक्त समाज के लिए दिलाई शपथ

नई दृष्टिविंदु / मोहला

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले में इस जागरूकता एवं सामाजिक सहभागिता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर तनुजा सलाम के निर्देशों के अनुपालन में 18 सितंबर, 2026 को शासकीय हाईस्कूल शाजागढ़, थाना गौठाटोला, मोहला में नशामुक्त जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज कल्याण एवं पुलिस विभाग, नशामुक्त केंद्र एवं पुलिस प्रशासन के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों और इसके होने वाले सामाजिक, शारीरिक एवं मानसिक नुकसान की जानकारी दी। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी नशे के

दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही नशे की लत से बचाव तथा नशामुक्त जीवन अपनाने के उपायों की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के साथ बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षक और प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सरपंच द्वारा उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधियों को नशामुक्त रहने की शपथ दिलाई गई। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचना, स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना तथा सामूहिक सहभागिता से नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण को बढ़ावा देना है।

अनुदानित कॉलेजों के सेवानिवृत्त शिक्षकों की पेंशन बंद, अनुदानित शिक्षक संघ ने जताया आक्रोश



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

व्याख्या कर आदेश जारी कर दिए।

संघ की मांग

शत-प्रतिशत अनुदान प्राप्त आशाशंकी महाविद्यालयों के सेवानिवृत्त शिक्षकों और कर्मचारियों को पेंशन बंद किए जाने पर अनुदानित शिक्षक संघ, कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय भिलाई ने गहरा आक्रोश जताया है। सेवानिवृत्त प्राध्यापक संघ के प्रो. डीएन शर्मा, डॉ. आरपी अग्रवाल तथा संघ के अध्यक्ष डॉ. सुशील शर्मा और सचिव डॉ. अरुण पांडेय ने कहा कि मंत्रिपरिषद ने फैसला संशोधित वेतनमान के आधार पर पेंशन देना का प्रस्ताव अमान्य किया था, वर्तमान पेंशन बंद करने का नहीं। लेकिन उच्च शिक्षा विभाग ने मंत्रिपरिषद के निर्णय को गलत

संघ के अनुसार मंत्रिपरिषद की कार्यसूची में प्रस्ताव था कि पेंशनरों को जिस वेतनमान से वे सेवानिवृत्त हुए हैं उसी के अनुरूप पेंशन दी जाए। मंत्रिपरिषद ने इसे अमान्य कर सुप्रीम कोर्ट में लंबित प्रकरणों में विधिक पैरवी का परामर्श दिया था। निर्णय में पहले से मिल रही पेंशन बंद करने का कोई उल्लेख नहीं था। इसके वाक्यनुद विभाग ने 1 सितंबर और 11 सितंबर 2026 को आदेश जारी कर वर्तमान पेंशन रोक दी और कार्यरत शिक्षकों को पेंशन-ग्रेच्युटी पात्रता भी समाप्त कर दी।

संघ ने बताया कि 37 वर्षों से पेंशन दी जा रही है। 26 अक्टूबर 2010 के शासनादेश के अनुसार

1 और 11 सितंबर के आदेश तत्काल वापस लिए जाएं, पूर्ववत् पेंशन बहाली की जाए, जुलाई-अगस्त सहित लंबित पेंशन का भुगतान हो, कार्यरत शिक्षकों को पेंशन-ग्रेच्युटी सुरक्षित रखी जाए। संघ ने मुख्यमंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री और मुख्य सचिव से हस्तक्षेप की मांग की है और पेंशन बहाल न होने पर लोकतांत्रिक आंदोलन और वैधानिक उपाय अपनाने की चेतावनी दी है।

पांचवें वेतनमान पर पेंशन और चौथे वेतनमान पर ग्रेच्युटी मिल रही थी। जुलाई-अगस्त की पेंशन नहीं मिलने से दृढ़ शिक्षकों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

सेवा संकल्प और स्वच्छता ही सेवा: भिलाई में निकली स्वच्छता रैली, नागरिकों को दिलाई शपथ

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के सभी जोन क्षेत्रों में सेवा संकल्प एवं स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत स्वच्छता रैली और विशेष सफाई अभियान चलाया गया। रैली के माध्यम से नागरिकों को अपने घर, मोहल्ले और आसपास के क्षेत्रों को साफ-सुथरा रखने का संदेश दिया गया। अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों, तालाबों और आसपास के क्षेत्रों में विशेष सफाई की गई।

निगम के अधिकारी-कर्मचारी,

स्वच्छता कर्मी और स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। रैली में लोगों को समझाया गया कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फैलाएं और गीला-सूखा कचरा अलग-अलग कर निर्धारित स्थान पर ही डालें। निगम प्रशासन ने कहा कि स्वच्छ एवं सुंदर भिलाई के निर्माण में नागरिकों की सहभागिता बेहद जरूरी है। यह केवल निगम की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान नागरिकों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई गई।



सेवा सेतु शिविर में पहले दिन 22 आवेदन प्राप्त, जन्म-मृत्यु व विवाह प्रमाण पत्रों का त्वरित निराकरण



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र में सेवा संकल्प अभियान के तहत सेवा सेतु शिविर समस्या का समाधान आपके द्वार का आयोजन 23 सितंबर से 8 अक्टूबर 2026 तक किया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को चंद्रशेखर आजाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पंचशाली नगर एवं गया बाई प्राथमिक शाला, गया नगर में दो स्थानों पर एक साथ सेवा सेतु शिविर आयोजित किया गया। दोनों शिविरों में कुल 12 वार्डों के नागरिकों को नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

शिविर के पहले दिन नागरिकों द्वारा विभिन्न सेवाओं से संबंधित कुल 22 आवेदन प्रस्तुत किए गए। इनमें जन्म प्रमाण पत्र के 8,

विवाह प्रमाण पत्र के 16 तथा मृत्यु प्रमाण पत्र के 2 प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया गया। शिविर में पहुंचे नागरिकों की समस्याओं एवं आवेदनों को संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा मौके पर ही लिया गया तथा पात्र प्रकरणों के त्वरित निराकरण की कार्यवाही की गई।

अधिकारियों ने शिविर में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टालों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

आज आयोजित शिविर में वार्ड 56 बचरा, वार्ड 01 नयापारा, वार्ड 02 राजीव नगर, वार्ड 03 मठपारा दक्षिण, वार्ड 04 मठपारा उत्तर, वार्ड 05 मठपारा, वार्ड 06 ठेठवापारा,

वार्ड 33 चंडी मंदिर, वार्ड 09 विवेकानंद, वार्ड 32 बाह्यगंगापारा, वार्ड 57 उरला पूर्व एवं वार्ड 58 उरला पश्चिम के नागरिकों ने पहुंचकर अपनी समस्याओं एवं आवश्यकताओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।

सेवा सेतु शिविर में नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, विद्युत विभाग, जलभरण एवं पंजीवन काउंटर सहित अन्य विभागों के स्टाल लगाए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने के बजाय एक ही स्थान पर आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराना है।

वृंदावन से भिलाई पहुंचे इंद्रेश का ताम्रध्वज साहू और अरुण वीरा ने किया अभिनंदन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई। कैन डू वर्त फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं आयोजक अतुल वर्त के निज निवास पर श्रीधाम वृंदावन से पहुंचे सुप्रसिद्ध भागवत कथा वाचक पूजनीय इंद्रेश उपाध्याय जी का भिलाई आगमन हुआ।

इंद्रेश उपाध्याय वृंदावन के मुवा भागवत कथा वाचक एवं भक्ति-पथ के संस्थापक हैं। वे श्रीकृष्ण चंद्र शास्त्री (ठाकुर जी) महाराज के पुत्र हैं और श्रीमद्भागवत कथा, भजन एवं आध्यात्मिक विषयों को सरल और भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत करने के लिए जाने जाते हैं। इस अवसर पर पूज्य मंत्री ताम्रध्वज साहू और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वीरा, श्रीमती मंजू वीरा के साथ



पूज्य इंद्रेश उपाध्याय जी से सेंट की और उनका आशीर्चन प्राप्त किया। इस दौरान रिसाली महर्षिपर शशि सिन्हा एवं रामकली यादव, राजेश शर्मा सहित अन्य गणमान्यजन भी

उपस्थित रहे। अरुण वीरा ने पूज्य इंद्रेश उपाध्याय का भिलाई आगमन पर स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया।

कलेक्टर-एसएसपी ने गणपति विसर्जन स्थल का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजित सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने राजनांदगांव रोड शिवनाथ नदी गणपति विसर्जन स्थल का जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ मौका निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को शिवनाथ नदी में गणपति विसर्जन हेतु क्रेन, बोट, नाविक, वेरिगर, पंडाल एवं प्रकाश व्यवस्था आदि की समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिए।

विसर्जन हेतु छोटे एवं बड़े आकार के मूर्तियों के क्रम निर्धारित करने एवं वाहनों के आवागमन व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने कहा। उन्होंने विगत वर्ष की व्यवस्था अनुसार इस वर्ष भी गणपति मूर्ति विसर्जन के लिए बेहतर प्रबंध करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम विरेंद्र सिंह, एसपी शोभाज अग्रवाल, एसडीएम दुर्ग शहर प्रफुल्ल गुप्ता सहित लोक निर्माण



विभाग, विद्युत विभाग, नगर निगम के अधिकारी, पुलिस विभाग एवं एसडीआरएफ के जवान उपस्थित थे।

डीआईजी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह संवेदनशील पहल, दिवंगत आरक्षक के पुत्र को तेरहवीं पर दी अनुकंपा नियुक्ति

नई दृष्टिबिंदु / जशपुर

डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने पुलिस परिवार के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए दिवंगत आरक्षक स्व. देव नारायण सिंह के पुत्र को अनुकंपा नियुक्ति दी है।

स्व. देव नारायण सिंह एसडीओपी कार्यालय जशपुर में पदस्थ थे। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें बालाजी हॉस्पिटल रायपुर में भर्ती कराया गया था, जहां 11 सितंबर 2026 को उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। वे 2007 में जिला पुलिस बल में आरक्षक के पद पर भर्ती हुए थे और रक्षित केंद्र जशपुर, थाना सन्ना, कोतवाली, एसडीओपी कार्यालय कुनकुरी व जशपुर



में सेवाएं दी थीं। एसएसपी ने निधन के बाद अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया को प्राथमिकता से पूरा कराया। आज 23 सितंबर को तेरहवीं के दिन वे स्वर्ण दिवंगत आरक्षक के गृह ग्राम पहुंचे, शोकाकुल परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की और पुत्र बोनी प्रसाद सिंह को आरक्षक पद पर नियुक्ति पत्र सौंपा।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग का हर कर्मचारी जशपुर पुलिस परिवार का अभिन्न अंग है और दुख की इस घड़ी में पूरा परिवार दिवंगत के परिजनों के साथ खड़ा है। इस दौरान एसपी राकेश कुमार पाटनवार, एसडीओपी निमिषेश सिंह सहित पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।



जन्मजयंती

बड़े भैया आदरणीय परमहंस वशिष्ठ नारायण मिश्रा की जन्मजयंती पर सादर नमन...

जन्मतिथि
24 सितंबर 1971

स्वर्गारोहण
26 अगस्त 2026

आप हमेशा दिलों में भैया राज करोगे..!

— आपका —

आलोक तिवारी

प्रधान संपादक

सांध्य दैनिक नई दृष्टिबिंदु, खबर आलोक परिवार भिलाई
स्थायी निवास सोमनी, राजनांदगांव

GOSWWAMI

FLEX PRINTING

ADVERTIZER

भिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा

• Hoardings • Flex Banner • Vinyl Printing

• One Way Vision • Glow Sign Board

8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।

संपर्क करें

93290-13334, 74711-15735

goswamiflex@gmail.com

Address: 3d Floor Shop No-1, Arora Tower, M.C. Market

अर्चना

फलाई ऐश ब्रिक्स

निर्माता एवं विक्रेता

हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई



8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।

संपर्क करें

9329960605, 9827160605, 9098639991